(5) राजमुकुट वास्तविक शक्तियों का स्त्रोत, सम्राट औपचारिक शक्तियों का — ब्रिटेन में सम्राट को शासन के सम्बन्ध में कानून से अधिकार प्राप्त नहीं हैं। व्यक्तिगत रूप से कुछ सुविधायें प्राप्त हैं। सभी कार्यपालिका की वास्तविक शक्तियाँ राजमुकुट में निहित हैं।

सम्राट या राजमुकुट की शक्तियाँ —

(1) कार्यपालिका शक्तियाँ —

(A) वह राष्ट्रीय कानूनों को क्रियान्वित करता है।

(B) वह प्रधानमंत्री तथा मंत्रिमण्डल के सदस्यों के अतिरिक्त देश के उच्चतर पदाधिकारियों की नियुक्ति करता है।

(C) अपने द्वारा नियुक्त पदाधिकारियों को पद से मुक्त करता है।

(D) देश के प्रशासन का नियन्त्रण और संचालन करता है।

(E) राष्ट्रीय कोष का नियन्त्रण एवं संचालन करता है।

(F) वह सेना का सर्वोच्च कमांडर है इसलिए उसकी सैन्य संगठन की गतिशीलता और संचालन के महत्वपूर्ण भूमिका है।

(2) वैदेशिक मामलों से सम्बन्धित अधिकार — सम्राट विदेश में राजदूतों की नियुक्ति करता है तथा विदेशों से आने वाले राजदूतों का स्वागत है। वह युद्ध की घोषणा और सन्धि प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करता है। वह राष्ट्रमण्डल का अध्यक्ष है।

(3) विधायिनी शक्तियाँ — संसद का प्रधान सम्राट है। संसद के दोनो सदनों का सत्र आमन्त्रित करना, स्थगित करना तथा कॉमन सभा को भंग करने का अधिकार है। संसद द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकार करने

ब्रिटिश कार्यपालिका— ब्रिटेन के संविधान की प्रमुख विशेषता यह है कि यहां लोकतन्त्र और राजतन्त्र साथ-साथ चल रहा है। सम्राट एक व्यक्ति है जो ब्रिटेन के राज्य का प्रमुख है जो वंशानुगत आधार पर नियुक्त होता है परन्तु जिस पद पर वह आधारित होता है उसे राजमुकुट (crown) कहा जाता है। सम्राट और राजमुकुट के बीच कुछ मूलभूत अंतर है—

(1) सम्राट व्यक्ति है राजमुकुट संस्था है— सम्राट एक व्यक्ति है जो पद ग्रहण करता है तथा उसकी मृत्यु के बाद वह व्यक्ति समाप्त हो जाता है। राजमुकुट एक संस्था है जो स्थायी है। इसीलिए ब्रिटेन में कहा जाता है कि राजा कभी नहीं मरता।

(2) सम्राट वैयक्तिक है राजमुकुट सामूहिक है— सम्राट व्यक्तिगत शक्तियों का प्रयोग करता है परन्तु राजमुकुट सामूहिक शक्तियों का प्रयोग करता है। ऑग और जिंक के अनुसार "राजमुकुट राज्य की सर्वोच्च कार्यपालक शक्ति है, जिसके अन्तर्गत सर्वोच्च सत्तावान संसद और मंत्रिमण्डल सम्मिलित है।"

(3) राजा पद पैतृक है राजमुकुट संस्थागत है— ब्रिटेन में राजा का पद वंश परम्परा के आधार पर होता है परन्तु राजमुकुट संस्थागत पद है।

(4) सम्राट राजतंत्र का प्रतीक है, राजमुकुट लोकतंत्र का— सम्राट वंशानुगत है अतः राजतन्त्र की परम्परा का द्योतक है परन्तु राजमुकुट में संसद और मन्त्रिमण्डल शामिल है जो जनता द्वारा नियुक्त होते हैं अतः वे लोकतंत्र के प्रतीक हैं।

स्वीकार करने तथा संशोधित करने का अधिकार है। जबसे संसद का अधिवेशन नहीं चल रहा हो तब उन अध्यादेश जारी करने का अधिकार है।

(4) न्यायिक शक्तियाँ — सम्राट को न्याय का स्रोत कहा जाता है उसे न्यायाधीशों को नियुक्त करने तथा पदच्युत करने का अधिकार है। उसे अपराधियों के दण्ड को क्षमा करने तथा कम करने या समाप्त करने का अधिकार प्राप्त है।

(6) वित्तीय शक्तियाँ — संसद के सम्मुख पेश होने वाले वार्षिक बजट पर हस्ताक्षर करने का अधिकार है। वह राष्ट्रीय कोष का संचालक और निरीक्षक है तथा आंतरिक काल के लिए आकस्मिक निधि से सरकार को काम करने के लिए राशि प्रदान कर सकता है।

(7) धार्मिक मामलों में अधिकार — ब्रिटेन में सम्राट चर्च का प्रमुख माना जाता है। चर्च के बिशप तथा अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति करता है। उसे धर्म सम्मेलनों को बुलाने का अधिकार है।

(8) सम्मान का स्रोत — वह ब्रिटिश नागरिकों के बीच सम्मान और उपाधियाँ वितरित करता है।

इस प्रकार ब्रिटेन सम्राट राजमुकुट अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य करता है।